[Shri Hem Barua]

That was what he had said; on that occasion, the Chair was very helpful and prompt in pulling up the Minister and telling him that he should not reply in that manner.

In this particular case, the hon. Minister has not been able to give any idea about the penetration. He has simply said that this is not an appreciable penetration into our country.

**Mr. Speaker:** He has said that at this moment, he has not got the information. I am asking him to supply that information and place it on the Table of the House.

**Shri Hem Barua:** Then, may I submit one thing? What does he mean by appreciable penetration?

**Mr. Speaker:** He has not got the information; afterwards he has said so.

Now, papers to be laid on the Table.

**12.29 hrs.**

## *RE.* PROCEEDINGS OF 30TH MARCH, 1966

**श्री किशन पटनायक** (सम्बलपुर) : अध्यक्ष महोदय, मैंने 377 नियम के अन्तर्गत नोटिस . . .

**अध्यक्ष महोदय** : मैंने कन्सेन्ट नहीं दिया, इसलिये आप उसको नहीं उठा सकते ।

**श्री किशन पटनायक** : मैं निवेदन करना चाहता हूं कि 14 दिन की सजा हम लोगों ने काट ली है, लेकिन यह विवरण साफ़ बताता है कि इसमें आपकी गलती थी क्योंकि जब आपने उस प्रस्ताव को रखा था और राय मांगी थी तब लोगों ने कहा था *Some Hon. Members*: The 'Noes' have it' नियम सं० 367 . .

**अध्यक्ष महोदय** : आप बैठ जाइये ।

**श्री किशन पटनायक** : आप सुन लीजिये । मैं आपकी गलती बता रहा हूं ।

**अध्यक्ष महोदय** : आप बैठ जाइये, मैं इजाजत नहीं देता हूं ।

**श्री किशन पटनायक** : आप सुन लीजिये ।

**अध्यक्ष महोदय** : आप बैठ जाइये, मैं नहीं सुनना चाहता ।

**श्री किशन पटनायक** : आप मेरी बात सुन लीजिए ।

**अध्यक्ष महोदय** : मेरी गलती थी या नहीं थी, आप बैठ जाइये ।

**डा० राम मनोहर लोहिया** (फर्रुखाबाद) अध्यक्ष महोदय, आप गुस्सा न करें तो ठीक होगा ।

**अध्यक्ष महोदय** : मेरी गलती है या नहीं है . . .

**डा० राम मनोहर लोहिया** : गुस्सा न करें तो अच्छा होगा ।

**अध्यक्ष महोदय** : मैं गुस्सा नहीं करता हूं । आप बैठ जायें ।

मेरी गलती थी या मैं दुरुस्त था, जो फैसला है वह फैसला रहेगा ।

**श्री किशन पटनायक** : फैसला हम ने मान लिया ।

**अध्यक्ष महोदय** : अब आप बैठ जाइये ।

**श्री किशन पटनायक** : आपकी गलती के कारण हम लोग सारे देश में बदनाम हुए । हमारे ऊपर यह लानत लगी कि हम संसदीय प्रणाली के लिए धब्बा हैं, नियमों का उल्लंघन करते हैं आप, दण्डित होते हैं हम . . .

**अध्यक्ष महोदय** : मैं बार बार कह रहा हूं कि आप बैठ जाइये ।

मैंने आप से कहा है कि मेरी गलती है या मैं ठीक हूं जो मैंने किया है वह हाउस का फैसला है ।

**श्री किशन पटनायक** : हाउस का फैसला नहीं है । हाउस का फैसला 367 के अन्दर नहीं हुआ है ।

**अध्यक्ष महोदय** : जो फैसला हो चुका है, उसको फिर नहीं उठाया जा सकता है । इसकी इजाजत मैं नहीं दे सकता हूं ।

**श्री किशन पटनायक** : कैसे नहीं उठाया जा सकता है ? उस फैसले को नहीं उठा रहा हूं । जो फैसला दिया था उसको नहीं उठा रहा हूं । चौदह दिन की सज़ा हम काट चुके हैं . . .

**अध्यक्ष महोदय** : मैं बार बार कह रहा हूं कि आप बैठ जायें लकिन आप ध्यान नहीं दे रहे हैं । मुझे एक्शन लेना पड़ेगा . . .

**श्री किशन पटनायक** : गलती आप करें और सज़ा हम भुगतें ।

**अध्यक्ष महोदय** : ऐसा भी होगा ।

**डा० राम मनोहर लोहिया** : बार बार आप धमकियां न दिया करें । यह अच्छा नहीं है ।

**अध्यक्ष महोदय** : धमकी की इस में कोई बात नहीं है । मैं कई बार उनको बैठने के लिए कह . . .

**डा० राम मनोहर लोहिया** : चौदह दिन तो वे काट चुके हैं ।

**अध्यक्ष महोदय** : मैं क्या कर सकता हूं अब ? उसकी बहस इस वक्त नहीं हो सकती है ।

**श्री मधु लिमये** (मुंगेर) : मेरा एक व्यवस्था का प्रश्न है इस में . . .

**अध्यक्ष महोदय : कोई व्यवस्था नहीं है । उन्होंने कह दिया है । मैं कसेंट नहीं देता हूं ।**

**श्री मधु लिमये** : जो आपने फरमाया उसको ले कर में एक छोटा सा व्यवस्था का प्रश्न उठाना . . .

**अध्यक्ष महोदय** : स्पीकर की गलती हो या उसका फैसला दुरुस्त हो, उस पर बहस नहीं हो सकती है ।

**श्री मधू लिमये** : बहस नहीं कर रहा हूं मैं एक व्यवस्था का प्रश्न उठा रहा हूं । कोई बहस की बात नहीं हैं ।

**अध्यक्ष महोदय** : अगर गलती थी तो उसकी कोई सज़ा दे सकता ह तो हाउस दे सकता है । मैं किसी मेम्बर को इस वक्त बहस उस पर करने की इजाजत नहीं दे सकता हूं ।

**श्री मधु लिमये** : मैं बहस नहीं करना चाहता हू । मेरे व्यवस्था के प्रश्न को आप सुन तो लें । आप को सुनने में क्या एतराज है ?

---

**12.32 hrs.**

## RE. REPORT OF COMMITTEE OF PRIVILEGES

**डा० राम मनोहर लोहिया (फर्रुखाबाद)**: एक विशेषाधिकार का सवाल मैं उठाना चाहता हूं . . .

**अध्यक्ष महोदय** : विशेषाधिकार का सवाल नहीं उठता है ।

**डा० राम मनोहर लोहिया** : मैं आर्डर आफ बिजिनेस के तहत विशेषाधिकार का सवाल उठाना . . .

**अध्यक्ष महोदय** : उसको मैंने कसैंट नहीं दी है ।

**डा० राम मनोहर लोहिया** : दो बार मैं आप को खत लिख चुका हूं । मुझे आप इसको उठाने दीजिये ।

**अध्यक्ष महोदय** : चूंकि आप दो बार लिख चुके हैं इसलिए वह जायज हो जाता है